# होम्योपैथी चिकित्सा

आमजन के मस्तिष्क में यह बात बहुत गहराई तक बैठी हुई हैं कि गंभीर इमरजेन्सी से होम्योपैथिक दवा का कोई नाता नहीं हैं क्योकि गंभीर इमरजेन्सी में यह नाकाम हैं लेकिन यह तथ्य पूर्णतः गलत हैं, कुछ विशिष्ट होम्योपैथिक दवाए गंभीर इमरजेन्सी को फौरन नियंत्रित करने में सक्षम हैं।

हड्डी टूटना – हड्डी टूटने पर होम्योपैथी दवा अर्निका 1M देना हैं, जो दर्द को दूर करता हैं। **अर्निका 200** की 2-2 बूंद हर आधा घंटे में तीन बार देना हैं।

अगर हड्डी  टूट गई हैं तो टूटी हड्डी को पुनः जोड़ने के लिए अगले दिन एक दाना गेहूँ के बराबर चुना दहीं में मिलाकर दिन में एक बार 15 से 20 दिन तक देना हैं।

- **मोच**

**अर्निका 200** की 2-2 बूंद हर आधा घंटे में तीन बार देना हैं।

## ❖ सामान्य चोट

शरीर के किसी भी भाग में बिना रक्त निकले चोट लगने या मुड़ जाने पर या मार लगने, गिरने पर अर्निका 200 की 2-2 बूंद हर आधा घंटे में तीन बार देना हैं।

## ❖ खून बहने पर

शरीर पर चोट लगने से खून बहने पर होम्योपैथी दवा **हाईपेरिकम 200** की 2-2 बूंद हर आधे घण्टे में तीन बार, यदि चोट ज्यादा हैं और खून बह रहा हैं तो हाईपेरिकम 1M 1-1 बूंद हर आधे घण्टे में तीन बार देना हैं।

## ❖ चोट लगने लेकिन खून ना बहने पर

**अर्निका 200** की 2-2 बूंद हर आधा घंटे में तीन बार देना हैं।

## ❖ टिटनेस

लोहे की जंग लगी वस्तु से चोट लगने पर या वाहन से दुर्घटना होने पर टिटनेस का खतरा पैदा हो जाता हैं जो जानलेवा भी साबित हो सकता हैं, होम्योपैथी में टिटनेस के लिए दोनों विकल्प मौजूद हैं –

**Hypericum 200** की 2-2 बूंद आधे घण्टे में तीन बार

## ❖ सांप के काटने पर चिकित्सा

सांप काटने पर **नाजा 30** हर दस मिनट में 2-2 बूंद तीन बार देना हैं। अगर ठीक हो रहा हैं, तो इसी को चालू रखना हैं। अगर समय ज्यादा हो गया या फर्क नहीं हैं तो नाजा 200 की 2-2 बूंद हर दस मिनट में तीन बार देना हैं। ठीक होने पर कोई भी दवा नहीं देना हैं।

यदि नाजा 200 से भी ठीक नहीं हैं तो नाजा 1M की 2 बूंद आधा कप पानी में डालकर एक चम्मच हर आधे घण्टे में तीन बार पिलाना हैं। अगर इससे भी ठीक ना हो तो नाजा 10M की आधा कप पानी में एक बूंद डाल कर एक चम्मच एक ही बार पिलाना हैं। जब नियंत्रण में आए तो गर्म पानी य मूंगदाल का उबला हुआ पानी देना हैं। खाना अगर देना हैं तो थोड़ी मूंगदाल की खिचड़ी दे सकते हैं।

## ❖ बिच्छू, मधुमक्खी के काटने पर, सूई या काटा लगने की चिकित्सा

बिच्छू के काटने पर **Sillicea 200** की एक बूंद 10-10 मिनट के अंतर पर तीन पर जीभ पर रखकर लेनी हैं। 10-10 मिनट पर एक – एक बूंद और आप देखेंगे कि वो डंक अपने आप निकल कर बाहर निकल कर आ जायेगा। सिर्फ तीन डोज में आधे घण्टे में आप रोगी को ठीक कर सकते हैं।

यह दवाई और भी बहुत काम आती हैं। अगर आप सिलाई मशीन में काम करती हैं तो कभी-कभी सूई चुभ जाती हैं और अन्दर टूट जाती हैं उस समय भी आप ये दवाई ले लीजिए। ये सूई को भी बाहर निकाल देगी। आप इस दवाई को और भी कई परिस्थितियों में ले सकते हैं जैसे कांटा लग गया हो, कांच घुस गया हो, ततैया ने काट लिया हो, मधुमक्खी ने काट लिया हो तो ये सब जो काटने वाले अन्दर जो छोड़ देते हैं उन सब के लिए आप इसको ले सकते हैं। बंदूक की गोली लगने पर गोली को बाहर निकालने के लिए

इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। बहुत तेज दर्द निवारक हैं और जो कुछ अन्दर छुटा हुआ हैं, उसको बाहर निकालने की दवाई हैं। बहुत सस्ती दवाई हैं। 5 मि.ली सिर्फ 10 रूपये की आती हैं। इससे कम से कम 50 से 100 लोगों का भला हो सकता हैं।

मकड़ी मलने पर – **लीडम पाल 200** दिन में 3 बार

## ❖ पागल कुत्ता काटने पर

कुत्ता कभी भी काटे, पागल से पागल कुत्ता काटे, घबराइए मत, चिंता मत करिए । दवा का नाम हं **Hydrophohinum 200** और इसको 10 – 10 मिनट पर जीभ में तीन ड्रोप डालना हैं। कितना भी पागल कुत्ता काटे आप ये दवा दे दीजिए और भूल जाइये कि कोई इंजेक्शन देना हैं। इस दवा को सूरज की धूप और रेफ्रीजिरेटर से बचाना हैं। रोबीज सिर्फ पागल कुत्ता काटने से ही होता हैं पर साधारण कुत्ता काटने से रोबीज नही होता। आवारा कुत्तों ने अगर काट दिया हैं तो राजीव भाई के अनुसार आप अपना मन का बहम दूर करने के लिए ये दवा दे सकते हैं लोकिन उससे कुछ नही होता वो हमारा मन का बहम हैं जिससे हम परेशान रहते हैं , और कुछ डर डाक्टरों ने बिठा रखा हैं की इंजेक्शन तो लेना ही पडेगा। अपने शरीर में थोड़े, बहुत Resistance सबके पास हैं अगर कुत्ते के काटने से उनके लार-ग्रंथी के कुछ वायरस चले भी गये हैं तो उनको खत्म करने के लिए हमारे रक्त में काफी कुछ है और वो खत्म कर ही लेता हैं। लेकिन क्योंकि मन में भय बिठा दिया हैं शंका हो जाती हैं हमको यकीन नही होता जब तक 20000-50000 खर्च नही कर लेते ये उस समय के लिए राजीव भाई ने ये दवा लेने की बात कही हैं। और इसका एक-एक ड्रोप 10-10 मिनट में जीभ पर तीन बार डाल के छोड़ दीजिए। 30 मिनट में ये दवा सब काम कर देगा।

कई बार कुत्ता घर के बच्चों के साथ खेल रहा होता हैं और गलती से उसका कोई दाँत लग गया तो आप उस जख्म में थोड़ा हल्दी लगा दीजिए पर साबुन से उस जख्म को बिल्कुल मत धोये नही तो वो पक जायेगा, हल्दी Antibiotic, Antipyretic, Antititetanatic, Antiinflammatory हैं।

## ❖ हार्ट अटैक

हार्ट अटैक (ह्रदय घात) जैसी गंभीर इमरजेंसी में होम्योपैथिक दवा **ACONITE 200** की 2-2 बूंद हर आधा घंटे में तीन बार देना हैं। अगर आपने इतना भी कर दिया तो रोगी की जान बच जायेगी,आगे रोगी को कही भी हॉस्पिटल में ले जाने की कोई जरुरत नही पडेगी।

## ❖ डायरिया, उल्टी या दस्त होने पर

**NUX VOMICA 200** 2-2 बूंद दिन में तीन बार सुबह, दोपहर व शाम को दो तीन दिन चालू रखना हैं।

हर्निया के लिए NUX VOMICA 1M 1-1 बूंद दिन में तीन बार प्रत्येक एक-एक घण्टे से फिर वापिस 15 दिन या फिर 15 दिन बाद तीन महीने तक।

## ❖ घात जाने पर

**NUX VOMICA 1M** सुबह खाली पेट प्रत्येक 1-1 घण्टे में तीन बार देना है।

## ❖ अपेन्डेक्स(Appendix)

**NUX VOMICA 200** रात के भोजन के एक घण्टे बाद 2 बूंद फिर तीन दिन बाद 2 बूंदे (दस बार तक ले सकते हैं)

या

**NUX VOMICA 30** – प्रतिदिन रात को एक बूंद

**SULPHAR 200** – हफ्ते में एक दिन सुबह-दोपहर-शाम एक – एक बूंद दिन में तीन बार

नोट – अस्थमा के मरीज को कभी भी सल्फर नहीं देना

## ❖ स्वपन दोष

**NUX VOMICA 200** रात को सोते समय 2 बूंद हर तीन दिन बाद फिर से ले सकते हैं। प्रतिदिन नहीं।

## ❖ पीलिया

हेपेटाईटस A,B,C,D,E के ईलाज

गेहूँ के दाने के बराबर **चूना** गन्ने के रस के साथ पान में लगाकर दिन में एक बार 10 से 12 न तक लेना हैं।

पीलिया होने पर **NUX VOMICA 30** की 2-2 बूंद दिन में तीन बार 10 से 12 दिन तक लेना हैं।

यदि पीलिया रोग की शुरुआत में ही रोगी को **ऐकोनाइट** औषधि दी जाए तो इससे पीलिया को रोग पूरी तरह समाप्त हो जाता हैं।

**BERBERIS VULGARIS (Mother Tincher**) की 10-15 बूंदों को एक चौथाई (1/4) कप गुनगुने पानी में मिलाकर दिन में चार बार (सुबह-दोपहर-शाम और रात) को लेना हैं।

## ❖ बवासीर, फिस्टला या भगन्दूर होने पर

एक केले के बीच से चीरा लगाकर चूना बीच में रख दें, फिर इसे खाए इससे बवासीर एकदम ठीक हो जाती हैं साथ में देशी गाय का मूत्र भी पीयें।

यदि रोग बढ़ गया हैं तो आपको साथ में ये होम्योपैथिक दवा भी खाना होगा

**NUX VOMICA 30** – रोज रात को एक बूंद

**SULPHAR 200** – हफ्ते में एक दिन सुबह – दोपहर-शाम एक-एक बूंद दिन में तीन बार

## ❖ गंभीर लकवा होने पर, रोगी को शरीर में सुन्नता, छूने पर कोई संवेदना नहीं होना, नसों में जकड़न

नसों में जकड़न और पक्षाघात या Paralysis में एक दवा का नाम हैं, **RHUSTOX – 30** जिस दिन पक्षाघात आता हैं रोगी को 15-15 मिनट पर तीन बार दो-दो बूंद मुंह में दे और इसी **RHUSTOX -30**

को लगातार करते हुए रोज सुबह, दोपहर, शाम दें साथ में एक और दवा हैं। **CAUSTICUM 1M** जिस दिन **RHUSTOX – 30** दिया दूसरे दिन **CAUSTICUM 1M** की दो-दो बूंद तीन बार दें। और **CAUSTICUM – 1M** को **RHUSTOX – 30** के आधे घंटे बाद देना हैं। ये RHUSTOX – 30 रोज की दवाई हैं, पर **CAUSTICUM -1M** को हफ्ते में एक दिन दो-दो बूंद तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) देनी हैं। ऐसे करके पक्षाघात के रोगी को दवा देंगे तो कोई एक महीने में ठीक हो जायेगा कोई 15-20 दिन में ठीक हो जायेगा, किसी को 45 दिन लगेगें और ज्यादातर दो महीने से ज्यादा नहीं लगेगे ठीक होने मे। अगर किसी को Paralysis आने के 15 दिन या एक महीने बाद से दवा दिया जाये तो वो रोगी तीन महीने में ठीक हो जाते हैं, तीन महीने से ज्यादा समय नही लगता।

.

## ❖ मिरगी

**RHUSTOX - 30** को लगातार करते हुए रोज सुबह, दोपहर, शाम दें साथ में एक और दवा हैं। **CAUSTICUM 1M** जिस दिन RHUSTOX – 30 दिया दूसरे दिन CAUSTICUM 1M की दो-दो बूंद तीन बार दें। और CAUSTICUM – 1M को RHUSTOX – 30 के आधे घंटे बाद देना हैं। ये RHUSTOX – 30 रोज की दवाई हैं, पर CAUSTICUM -1M को हफ्ते में एक दिन दो-दो बूंद तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) देनी हैं।

एक दाना गेहूँ के बराबर चूना दहीं में मिलाकर दिन में एक बार 15 से 20 दिन तक देना हैं. CALCAREA PHOS 3X की 4 – 4 गोलियों को दिन में 3 बार रोगी को दे साथ में मिल सके तो नाक में सोते सम देशी गा का घी भी जरुर डाले।

## ❖ न्युमोनिया

न्युमोनिया में होम्योपैथिक दवा **ACONITE 200** की 2 बूंद कप पानी में डालकर एक चम्मच में दिन में तीन बार पिलाना हैं, केवल 1 ही दिन देना हैं।

## ❖ आँखों के रोग

- आँख की पलकों पर गुहेरी के लिए – **स्टेसिफेगिरिया 30** या हिपर सल्फ 1M
- निकट दृष्टि दोष के लिए – **फाइसोस्टिगमा 3X** या 6 दिन में 3 बार
- रतौंधी – **फाइसोस्टिगमा 3X** या 6 दिन में 3 बार
- मोतियाबिंद – **फॉसफोरस 200** सप्ताह में 1 बार तथा कल्केरिया फ्लोर 6 या 12X दिन में 3 बार
- दिनौंधी (यानि दिन में ना देख पाना )- **बोथरौप्स 30**, दिन में 3 बार और फॉसफोरस 200 सप्ताह में 1 बार

## ❖ आवाज बैठना

- पूरी तरह आवाज बैठने पर – **अर्जेमैट 30,** दिन में 3 बार

- ठंड़ी चीज खाने पर आवाज बैठना – **हिपर सल्फ 30**, दिन में 3 बार

## ❖ सौन्दर्य और होम्योपैथी

कई बार मस्से, त्वचा का ज्यादा खुरदरापन या चिकनाहट, अनचाहे बाल, बालों का असमय सफेद होना, त्वचा पर धब्बे, कील, मुँहासे, आंखों का अंदर को धंसे होना, आदि के कारण व्यक्ति कुरुप नजर आने लगता हैं।

- खुश्की व खुरदरी त्वचा के लिए जब खारिश के बाद दर्द महसूस हो – **सोराइनम 30 या 200**
- औरतों में आंखों के चारो ओर काले धब्बे जब किसी पुराने दुःख के कारण हो – **स्टेफिसेगिरिया 30 या 200**
- चेहरा पीला व साथ में चेहरे व सीने पर पीले या भूरे धब्बे – **सीपिया 30 या 200**
- रक्त की कमी के कारण पीलापन- **फेरम मैट 3X**
- त्वचा का रंग साफ करने के लिए – **सरसापैरिला 30**
- चेहरे पर निशान जो फोड़े-फुंसियों या मुहासों, आदि के कारण हो- **साइलीशिया 6X व काली फॉस 6X**
- चेहरे पर चेचक के दाग – **वैरिओलिनम 200, सारासिनिया 30, थायोसिनैमिनम 2X**

### ❖ भूख न लगना

खाना हजम न होना, कभी दस्त, कभी कब्ज, मुंह में पानी आना आदि।

- जब कोई खास कारण पता न चले – **लैसिथिन 3X**, दिन में 3 बार
- थोड़ा सा खाने से ही पेट भर जाए, गर्म खाना पीना अच्छा लगे, मीठा खाने की इच्छा, पेट में गैस भरी रहती हो- **लाइकोपीडियम 30, दिन में 3 बार**

### ❖ जीभ व मुंह के छाले

आमतौर पर कब्ज होने की वजह से मुँह व जीभ में छाले हो जाते हैं।

- मुँह में छाले, जिनमे बहुत दर्द हो- **हिपर सल्फ 30**, दिन में 3 बार या **बोरेक्स** की 2 बूंद

### ❖ छोटी माता

यह ज्वर तथा फैलने वाली छूत की बीमारी हैं, इसमें अनेक पारदर्शी स्राव भरे दाने होते हैं।

- रोग के शुरु होने पर तेज बुखार व बेचैनी – **एकोनाइट 6 या 30**, दिन में 4 बार
- दानों में जब बहुत खुजली हो – **रस टाक्स 6X या 30**, दिन में 3 बार

### ❖ सर्दी जुकाम

- जब सूखी ठंड़ी हवा लग कर रोग आया हो, ठंडक महसूस होना, सिर दर्द, आँखों से पानी, छीकें आना, सूखी खांसी, बार-बार बेचैनी तथा भय, खुली हवा में अच्छा लगता हैं – एकोनाइट 30, 3-4 खुराक दिन भर में दे
- चिड़चिड़ापन, तेज सर दर्द के साथ नजला जुकाम, नाक से बहुत पानी बहने के साथ होठ सुखा होना – ब्रायोनिया 30, दिन में 3-4 बार

## ❖ कब्ज

- साधारण कब्ज में – **नक्स वोमिका 30**, रोज सोते समय 4 बूंद, एवं सल्फर 30 रोज सुबह 4 बूंद
- मल बहुत कड़ा एवं आंव लिपटा हुआ हो – **ग्रेफाइटिस 30**, दिन में 3 बार

## ❖ खांसी

- नई सूखी खांसी, खासकर रात में बढ़ जाना, गले के भीतर खरखराहट, ठंड़ा पानी पीने की इच्छा – **एकोनाइट 30**, 2-3 घंटे के अंतर पर
- सुखी या बलगम वाली खासी, सर्दी लगने से बढ़ने वाली, पुरानी खांसी, दिन में कफ अधिक निकलना – **हिपर सल्फर 30**, दिन में 3 बार
- सीने में बलगम जमा होने पर भी न निकलना, साँस लेने में कष्ट, खाँसते खाँसते उल्टी जैसा होना, हाथ पाव अकड़ जाना, हाफने लगना **– इपेकाक 30, एंटीम टार्ट 30** दिन में 3-4 बार

## ❖ दमा

- एकाएक तेज दमे का आक्रमण – **एकोनाइट Q, इपिकैक Q,** 10-10 बूंद पहले 1 घंटे के अंतर से अदल-बदल कर व आराम आने पर 3-3 घंटे के बाद दे।
- दमा के प्रकोप को कम करने के लिए, जब दम घुटे, सांस ठीक से न ली जाए – **ब्लैटा ओ Q, सेनेगा Q, गिंड्रीलिया Q व कैशिया सोफोरा Q** बराबर मात्रा में मिला कर दें।

## ❖ दस्त

- **नक्स वोमिका 30,** दिन में 3 बार

## ❖ दिमागी कमजोरी

बहुत जटिल व पुरानी बीमारिया, जिनमें रोगी की जीवनी शक्ति क्षीण हो जाती हैं, स्नायुमंडल कमजोर हो जाता हैं, बहुत ज्यादा मानसिक परिश्रम, हस्तमैथुन, वंश परंपरा से आये दोष, आदि की वजह से दिमागी कमजोरी उत्पन्न हो सकती हैं।

प्रमुख दवा – **एसिड फॉस Q**, 5-10 बूंद पानी के साथ दिन में 3 बार

## ❖ कान का दर्द

- जब अचानक ठण्ड लग जाने से कान दर्द शुरू हुआ हो – एकोनाइट 30, हर 2 घंटे में
- असहनीय दर्द जो गर्म सेक से बढे – कैमोमिला 30, हर 2 घंटे पर
- अचानक दर्द शुरु होने पर – बेलाडोना 30, हर 2 घंटे पर

## ❖ एग्जीमा

- त्वचा खुश्क, व छिछड़ेदार रोगी के आँख की पलकें, कान, नाक के अगले हिस्से लाल हो – सल्फर 30, दिन में 2-3 बार
- त्वचा पर दाने व फुंसियों के कारण अत्याधिक खुजली हो – रस टाक्स 30, दिन में 3 बार
- एग्जीमा की बायोकैमिक दवा – कैल्केरिया सल्फ 6X, दिन में 4 बार

## ❖ अनिद्रा

- **कैल्केरिया कार्ब 30** , दिन में तीन तीन घंटे के अंतराल में सेवन

## ❖ मुँह, दांत और गले के रोग

- मसूढ़े सूजकर मुलायम हो गये हो, मुहं से बदबू – **मर्क सौल 6**
- मसूढ़े फूलना व उसमे पस निकलना – **सिस्टस 30**
- मुँह में लार बनना बंद हो जाना, गला सूख जाना – नक्सवोमिका 6
- किसी भी प्रकार दांतों का दर्द – **प्लैण्टेगो 3X** व प्लैण्टेगो के मदरटिंचर को मसूढ़ो पर लगाने से लाभ मिलता हैं।
- हलकापन दूर करने के लिए – **स्ट्रैमोनियम 30**
- गले से संबंधित विभिन्न लक्षण जैसे- गला खुश्क होना, गलें में दर्द, लार को निगलने की इच्छा, टांसिल का भीतर तथा बाहर से सूज जाना और दर्द होना – **मर्क सौल** औषधि की 30 शक्ति का प्रयोक करना चाहिए।
- मोटापे के लिए – **ऐमोन-ब्रोम** की 3X मात्रा, **कैल्केरिया-कार्ब** की 3 से 6 शक्ति तथा **कैल्के आर्स** की प्रति 2 ग्रेन मात्रा प्रत्येक 8 घंटे में सेवन करें।

## ❖ पेट के रोग

- पेट दर्द के लिए – **ऐकोनाइट 30**
- पेट के कीड़ो के लिए – **स्टैनम 6 या 30**
- पेट के सभी रोगो के लिए – **नक्सवोमिका 30**

## ❖ पुरुष रोग

- शरीर और मन की सुस्ती, शरीर कमजोर होना, जननेन्द्रिया की कमजोरी, स्वप्नदोष पीडित के लिए – **एग्नस कैक्टस 6 शक्ति**
- कामवासना पर नियंत्रण न रख पाना, हस्तमैथुन करने पर मजबूर होना – **ओरिगैनम 3 शक्ति**
- संभोग क्रिया में सफल न होना, नपुंसकता आ जाने पर - **फास्पोरस 30 या 200 शक्ति**
- नपुंसकता व वीर्यपात दूर करने के लिए – **लाइकोपोडियम 30 या 200 या 1M**

## ❖ चोट,मोच, फोड़ा तथा फुंसियां

- दाद से पीड़ित रोगी को **बैसीलीनम** औषधि की 30 शक्ति पहले एक सफ्ताह तक सेवन करना चाहिए, इसके बाद इस औषधि की 200 शक्ति का प्रयोग सप्ताह में एक बार 4 सप्ताह तक करना चाहिए और फिर महीने में एक बार इस औषधि की 1M मात्रा का प्रयोग 5-6 महीने तक करना चाहिए। इस औषधि से दाद ठीक होने का साथ सिर में रूसी समाप्त हो जाती हैं एवं बाल झड़ने बंद हो जाते हैं।

- चेहरे के मुहांसों को दूर करने के लिए – **कैलि-ब्रोम 30**
- चेहरे पर फुंसियां होने पर, नाक, ठोड़ी पर फुंसियां होने पर – **ऐस्टोरियास-रूबेन्स 6** शक्ति
- यदि रोगी के चेहरे पर होने वाली फुंसियों की काफी चिकित्सा करवाने के बाद भी कोई लाभ नही – **आर्से-आयोडाइड 3X**
- गर्म प्रकृति के रोगियों के बाल झड़ने पर – **फ्लोरिक ऐसिड़ 6** या 30 शक्ति
- उम्र से पहले बाल सफेद होने पर – **ऐसिड़ फास**
- बालों में रूसी, खुश्की, पपड़िया जम जाना, खुजली होना – **मेजेरियम 6 या 30 शक्ति**
- सिर में रूसी के साथ, बालों का बहुत अधिक मात्रा में झड़ना – **फॉस्फोरस 30 शक्ति**

## ❖ अर्थराइटिस

- गठिया रोग की शुरुआत में – **ऐकोनाइट 30**
- रोगी में अचानक ही गठिया दर्द होने पर, उसके जोड़ो में तेज दर्द होता हैं - 2 चम्मच गर्म पानी में 5 बूंद **अर्टिका यूरेन्स** , हर 4 घंटे के अन्तर पर। इसके साथ गर्म पट्टी पर कोलचिकम औषधि के मूलार्क को 20-25 बूंद की मात्रा डालकर दर्द वाले स्थान पर लगाने से लाभ मिलता हैं।

## ❖ पित्त रोग

- त्वचा पर लाल, पीले रंग के चकत्तेदार दाने होना, खुजली होना – **एपिस औषधि** की 1x, 3x या 6 शक्ति का उपयोग करे। 2 दिन बाद लाभ न मिले तो **क्लोरेलम औषधि** की 3x मात्रा का सेवन करें। औषधि का सेवन 8 घंटे के अंतर में करें।
- त्वचा पर चकत्तेदार दाने व डंक मारने जैसा दर्द – **अर्टिका 3X** हर चार घंटे में सेवन
- पित्त पथरी में दर्द होने के साथ जिगर में भी दर्द होना – **कार्डूयस-मेरियेनम मदर टिंचर** औषधि की 5 से 10 बूंद की मात्रा दिन में 3 – 3 घंटे के अंतराल पर ले।
- पित्त की पथरी के किसी भी लक्षणों के लिए एवं दर्द कम करने के लिए – **अर्निका 3X या 6 शक्ति**

## ❖ अन्य होम्योपैथिक दवाइयां

- चाय छोड़ने के लिए – **ARSENIC 200**
- गुटखा, तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी छोड़ने के लिए – **PHOSPHORUS 200**
- बुखार के लिए – **OCIMUM 200**
- पथरी के लिए – **BERBERIS VULGARIS**
- बिस्तर पर पेशाब करना – **पल्साटिला 30**
- मूत्रनली में जलन व दर्द होने पर – **अर्निका 3X**
- मूत्र अवरोध के लिए – **CANTHRIS – 200** की 2-2 बूंद दिन में 3 बार
- डायरिया व फूड़ प्वायजनिंग होने पर – **NUX VOMICA – 200**, 2-2 बूंद, 3 बार

**संग्रहकर्ता – रोबिन सिराना**

**अधिक जानकारी के लिए श्री राजीव दीक्षित जी को सुनें**

**PDF पुस्तकें डाउनलोड़ करने के लिए क्लिक कीजिए -**

**www.rajivdxt.com**